आयकर चोरी की सूचना देने वाले व्यक्तियों के लिए पुरस्कार

909. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल:**
श्री अनन्त राम जायसवाल :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या सच है कि जो व्यक्ति आयकर और उत्पाद शुल्क की चोरी की सूचना देते हैं उन्हें कुछ वित्तीय पुरस्कार दिया जाता है और यह पुरस्कार आयकर मुक्त होता है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) आयकर विभाग के कितने अधिकारियो और कर्मचारियो को इस इस प्रयोजन के लिए गत तीन वर्षों के दौरान वर्षवार पुरस्कार दिया गया और प्रत्येक मामले मे नकद पुरस्कार की कितनी राशि दी गई; और

(घ) क्या सरकार ने इस सबंध में कोई अधिसूचना जारी की है; यदि हां, तो क्या उसकी एक प्रति सभा के पटल पर रखी जायेगी ?

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री और विदेश मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिग्विजय सिंह) : (क) और (ख) जी हां, पुरस्कार का भुगतान ऐसे व्यक्ति को किया जाता हैं जो अतिरिक्त आयकर की वसूली के लिए और उत्पाद शुल्क की अपवचना का पता लगाने के लिए ऐसी महत्वपूर्ण और विशिष्ट सूचना देता है, जो प्रत्यक्षतया सहायक होती है । सूचना देने वाले व्यक्ति को भुगतान की गई पुरस्कार की रकम आयकर मुक्त होती हैं ।

(ग) इन प्रयोजनों के लिए आयकर विभाग के अधिकारियों अथवा कर्मचारियों को पुरस्कार नहीं दिए जाते हैं ।

(घ) जी, नहीं ।

629 R.S.—5

Accumulation of Soiled Currency Notes with the Reserve Bank

910. SHRI J. P. JAVALI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is huge accumulation of soiled currency notes with the Reserve Bank of India at present;

(b) if so, what are the details in this regard; and

(c) whether this has resulted in refusal of accepting such notes by other banks from the public?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE AND DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DIGVIJAY SINGH): (a) There is some accumulation of soiled currency notes with the Reserve Bank of India at present, but that cannot be considered huge, as disposal of soiled currency notes is being carried out regularly as per the procedures laid down by Reserve Bank of India

(b) Number of soiled notes awaiting examination at the Issue Centres of Reserve Bank of India as on 30-9-1990 works out to 3,46,914 mandays of work. At the present disposal rate, it will take six months for Reserve bank of India to dispose off these soiled notes.

(c) No, Sir. However, some complaints have been received by Reserve Bank of India from the public. Such complaints are looked into by Reserve Bank of India on a case-to-case basis.

Central interest subsidy scheme for November, 1984 riot affected borrowers

911. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state·

(a) whether it is a fact that the Reserve Bank of India has announced